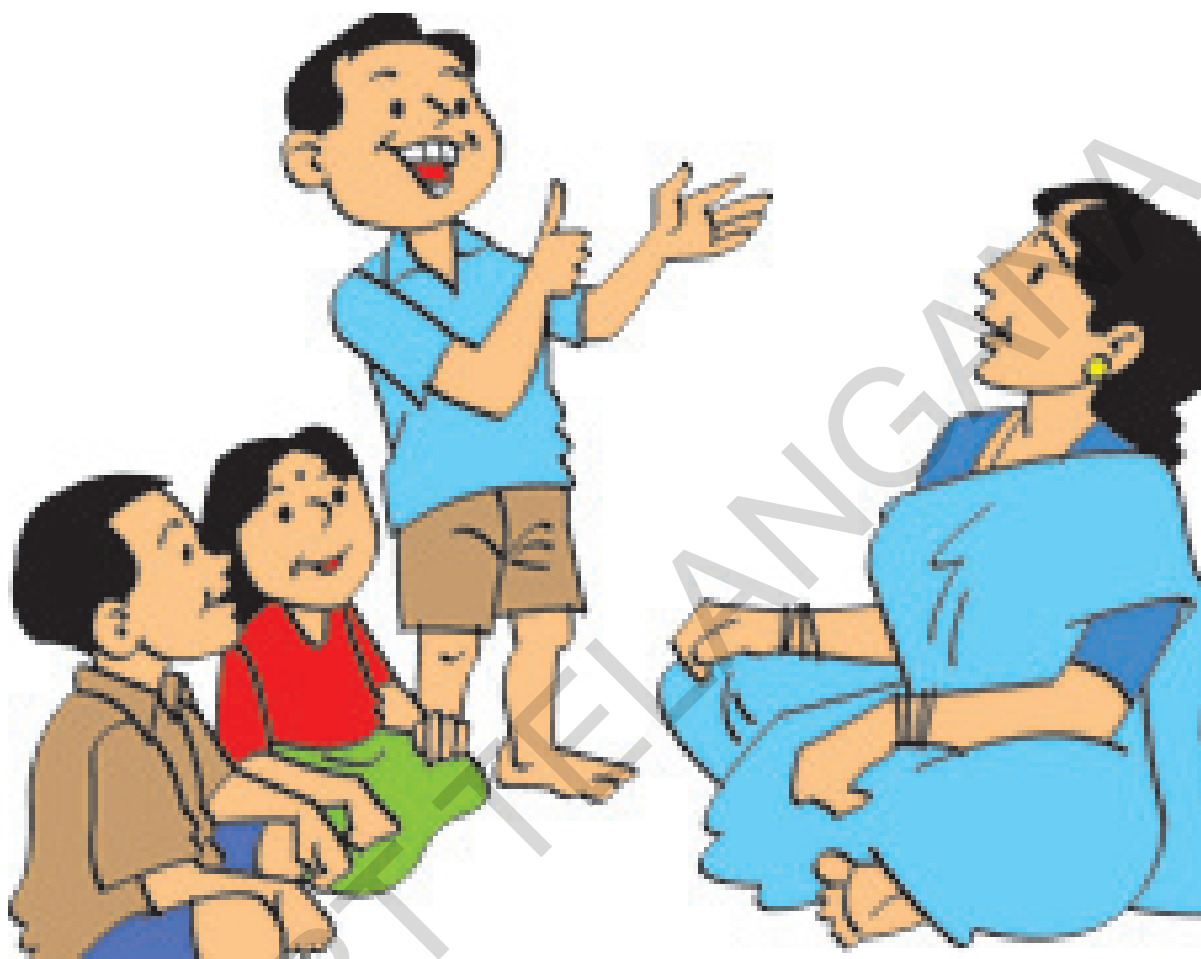




प्रश्न :

1. चित्र में कौन-कौन दिखायी दे रहे हैं?
2. बच्चा अध्यापिका को क्या बता रहा होगा?
3. आपसे आपको घर के बड़े लोग क्या-क्या नहीं करने को कहते हैं?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

नहीं सूर्य से कहता कोई
धूप यहाँ पर मत फैलाओ,
कोई नहीं चाँद से कहता
उठा चाँदनी को ले जाओ।

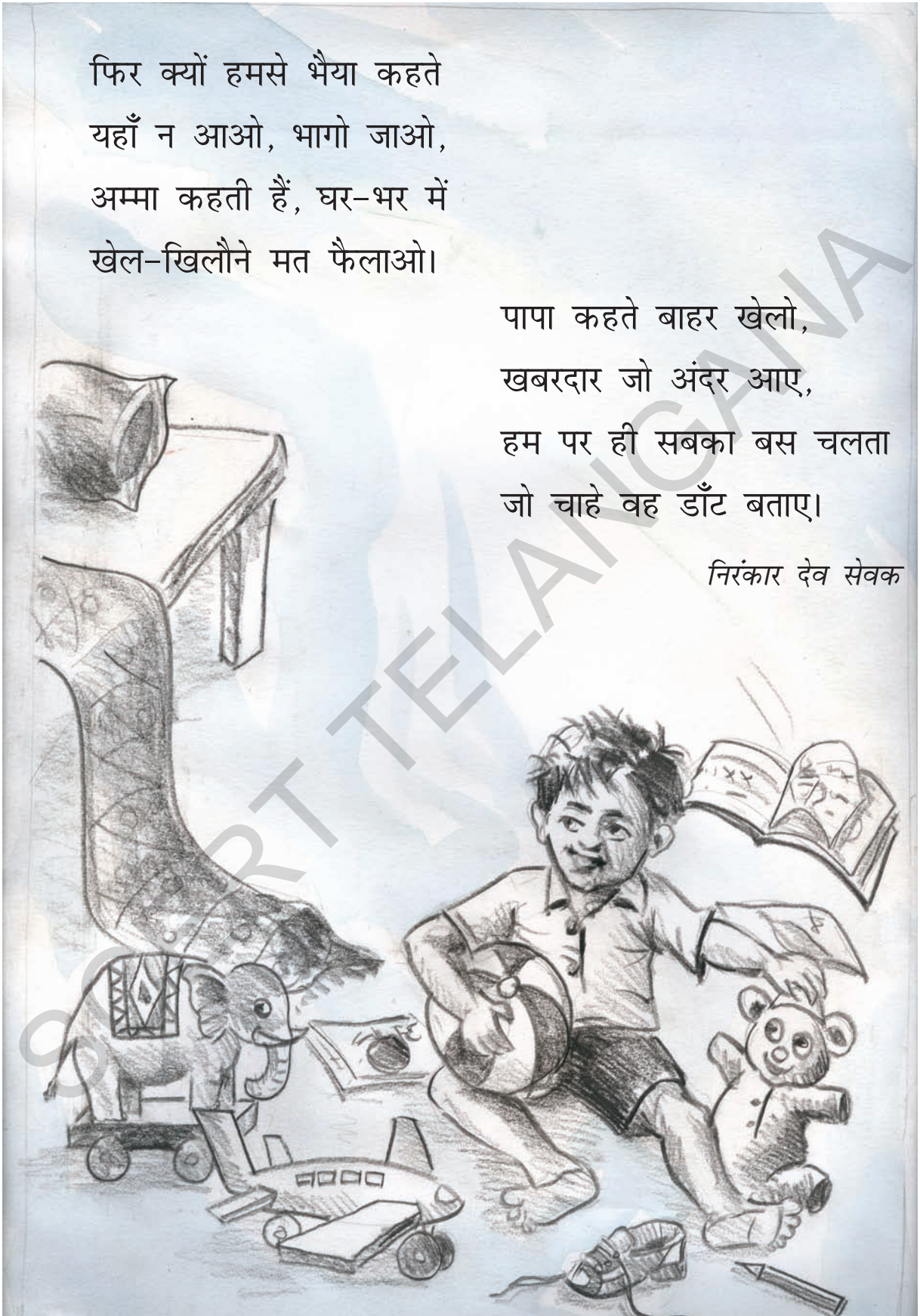
कोई नहीं हवा से कहता
खबरदार जो अंदर आई,
बादल से कहता कब कोई
क्यों जलधार यहाँ बरसाई?



फिर क्यों हमसे भैया कहते
यहाँ न आओ, भागो जाओ,
अम्मा कहती हैं, घर-भर में
खेल-खिलौने मत फैलाओ।

पापा कहते बाहर खेलो,
खबरदार जो अंदर आए,
हम पर ही सबका बस चलता
जो चाहे वह डाँट बताए।

निरंकार देव सेवक





सुनिए-बोलिए

1. बच्चों को बड़ों के द्वारा किस प्रकार की डाँट डपट मिलती रहती है?
2. घर और पाठशाला में आपको क्या-क्या करने के लिए मना किया जाता है?

निम्न वाक्य पढ़िए और बताइए -

- ◆ सूरज चाँद की रोशनी को भगा देता है।
- ◆ बादल सूरज की रोशनी को भगा देता है।
- ◆ हवा बादल को भगा देती है। बताओ, कौन किससे ज़्यादा ताकतवर है?



पढ़िए

1. सूर्य, चाँद, हवा और बादल के बारे में पाठ में क्या बताया गया है?
2. अम्मा, पापा, भैया क्यों डाँटते रहते हैं?



लिखिए

पाठशाला और घर में आपको क्या-क्या करने के लिए कहा जाता है और क्या-क्या करने के लिए मना किया जाता है। नीचे वाली तालिका में लिखिए।

कीजिए	मत कीजिए
.....	
.....	
.....	
.....	
.....	
.....	



शब्द भंडार

‘हमसे सब कहते’ कविता में जिन लोगों, चीजों और जगहों के नाम आए हैं, उन्हें नीचे दी गई तालिका में लिखिए।

लोग	चीज	जगह
.....		
.....		



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- चाँद और बादलों का चित्र बनाइए। उसके बारे में लिखिए।



प्रशंसा

- बड़े लोग सदा हमारी भलाई के बारे में सोचते हैं। ऐसी कोई दस बातें बताइए।



भाषा की बात

- इस कविता में चाँद, डॉट जैसे शब्दों में अनुनासिक (चंद्र बिंदु) का प्रयोग हुआ है। ऐसे अन्य पाँच शब्द लिखिए।



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के सुना सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		



परियोजना कार्य

यह कहानी आपने कई बार सुनी होगी।



● कौआ और लोमड़ी



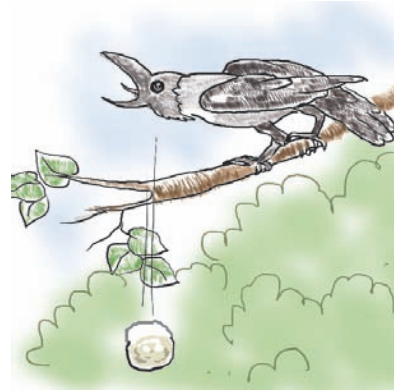
एक बार एक कौए को एक रोटी मिली।



लोमड़ी ने सोचा क्यों न मैं इस कौए को मूर्ख बनाकर रोटी ले लूँ।



लोमड़ी बोली - “कौए भाई तुम इतना अच्छा गाते हो! मुझे भी एक गाना सुनाओ।”



कौए ने जैसे ही गाने के लिए मुँह खोला, रोटी नीचे गिर गई।



लोमड़ी रोटी लेकर चली गई।

आइए, अब इन्ही चित्रों से एक नई कहानी बनाएँ।



.....

.....



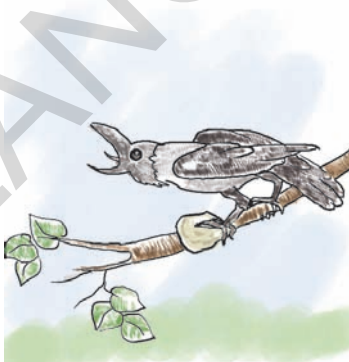
.....

.....



.....

.....



.....

.....



.....

.....



.....

.....